ISSN: 2393-8048
International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal.
SJIF Impact Factor = 8.35, January-June 2026, Published on 28th February 2026

कृत्रिम बुद्विमता का भविष्य में अपार सम्भावनाएं

डा. हरी राम, Assistant Professor, Crescent College of Education, Fatehabad

सारांश

आज विश्वभर में कृत्रिम बुद्विमता का प्रचार जोर–शोर से शुरू हो चुका है। आज के अनुसार भविष्य में इसके द्वारा सारे काम किये जा सकते है जो प्रत्येक मानव आज कर रहा है, इसमे कोई संदेह नही होगा क्योकि जिस प्रकार इसका उपयोग तेजी से विभिन्न क्षेत्रों में हो रहा है, चाहे वो शिक्षा के क्षेत्र मे, व्यापार में आदि अनेक हर क्षेत्र में भविष्य में अपार सम्भावनाए देखने को मिलती है। विश्वभर में जितने भी प्राणी रहते है उन सबसे ज्यादा बुद्विमान मानव है क्योकि मानव ने अपनी बुद्वि और अटूट इच्छा से नए–नए अविष्कार किए है। जिसमें से एक कृत्रिम बुद्विमता का अविष्कार आज तेजी से हो रहा है। जैसे किसी को देखकर, सुनकर या फिर स्पर्श करके, यह पता लगाया जा सकता है कि अब क्या करना है, इस तरह यह सारी प्रकिया एक मशीन के द्वारा की जाती है जिसे हम आज कृत्रिम बुद्विमता कहते है।

मुख्य शब्द– कृत्रिम बुद्विमता, मानव

प्रस्तावना– कृत्रिम बुद्विमता का अर्थ है कि कृत्रिम माध्यम से मानव द्वारा बनाई गई मशीन जो सोच–समझ कर और निर्णय लेने की क्षमता हो। जब से मानव का जन्म हुआ है तब से लेकर अब तक नए–नए आविष्कार हुए है उन सब ने अपने–अपने समय के अनुसार जिस का आविष्कार हुआ है चाहे वो मोबाईल या कम्पयूटर अनेक ऐसे आविष्कार मिलते है उन सब का अपना ही अलग ही महत्व है लेकिन आज हम जिस विषय को लेकर बात कर रहे है वह अपने आप में एक नए युग को जन्म का प्रारम्भ होगा। आज हम किसी भी चीज को देखकर या सुनकर और उस को स्पर्श करके महसूस कर सकते है कि अब आगे क्या होगा। यह सारा काम आज कृत्रिम बुद्विमता के कारण बिल्कुल ही आसान हो गया है जो आज से पहले सिर्फ सोच ही सकते थे कि क्या ऐसा भी हो सकता है लेकिन आज ऐसा सब कुछ संभव हो गया है यह सब केवल कृत्रिम बुद्विमता के आगमन से ही हो सका है। यह सारी प्रकिया मशीन के माध्यम से आवश्यक हो सका है।

आज से पहले हम यह सोचते थे कि क्या दुनिया के किसी भी कोने में क्यों न हो रहते हो किसी से बात कैसे करेगे लेकिन आज सब कुछ संभव हो गया है क्योंकि मोबाईल ने हमारे जीवन को आसान बना दिया है। आज हम भविष्य में यह सोचते है कि क्या रोबोट हमारे जीवन में उसकी अहमियत दिन प्रतिदिन बढ़ती चली जाएगी, क्योंकि रोबोट का प्रयोग आने वाले समय इतना अधिक बढ़ जाएगा कि यह हमारे दैनिक कार्यों के लिए, शिक्षा में, स्वास्थ्य में, व्यापार जगत में और कृषि में आदि अनेक कार्यों में इसका प्रयोग बढ़ता जा रहा है।

कृत्रिम बुद्विमता का उपयोग– कोरोना काल में विश्व में बहुत अधिक बदलाव देखने को मिला है क्योंकि उस समय किसी भी व्यक्ति को एक दूसरे को कृत्रिम बुद्विमता को अच्छे से सीखने का प्रयास किया था जिससे सारे विश्व में एक सूत्र में बांधने का काम किया था शिक्षक और शिक्षार्थी दोनों के लिए निरंतर एक सफल प्रयास रहा है जिससे शिक्षा के क्षेत्र में नई कांति आ गई है। शिक्षक परंपरागत विधियों को छोड़कर कृत्रिम बुद्विमता के तकनीक से शिक्षण को सुगम व सरल ओर मनोंरजन बना देता है जिससे छात्र को नीरस का भाव देखने को नही मिलता है। कृत्रिम बुद्विमता के माध्यम से कार ड्राईविग करना और चलाना एक नये युग की शुरूआत हो गई है क्योंकि बिना किसी ड्राईवर के कार चलती हुई आपको देखने को मिल सकती है। यह सब कुछ कृत्रिम बुद्विमता के कारण ही हो सकता है।

कल जो काल्पनिक लगता था आज वो हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया है कृत्रिम बुद्विमता से एक ऐसे नियंत्रित रोबोट या साफटवेयर बनाना है जो मानव की तरह सोच सके और हर समस्या का हल तुरन्त निकाल सके। AI दो शब्दों से मिलकर बना है आर्टिफिशिल और इंटेलिजेंस। जिसका अर्थ मानव द्वारा निर्मित बुद्विमता। कृत्रिम बुद्विमता से नये युग की शुरूआत को चुकी है। जिससे ऐसी मशीने तैयार करनी है जो मानव की तरह सोच सके और कार्य कर सके, बिना थके व बिना रूके। जो मानव जैसे निर्णय लेने में परिपूर्ण हों, जैसे समस्या समाधान, वाक् पहचान, सीखना और योजना बनाने में निपुण हो। कृत्रिम बुद्विमता का आज हर क्षेत्र में अपार संभावनाए देखने को मिलती है जिसमें हम कुछ आज कृत्रिम बुद्विमता का हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। मानव जगत ने मशीनों के कारण हर काम को बेहतर और सुचारू ढंग से निर्माण करने का प्रयास किया है जिससे हर काम सही गुणवता से और गलती की कोई गुंजाईश न बराबर मानी गई है, क्योंकि मशीनों को जो डाटा संग्रहित कर दिया जाता है और मशीन स्वयं अपना काम करती रहती है कृत्रिम बुद्विमता के आने से पहले यह कहा जाता था कि क्या

कार खुद ड्राईविंग करेगी लेकिन आज कृत्रिम बुद्विमता तकनीकी से सबकुछ आसान हो गया है। क्योंकि उसमें सेंसर लगे होते है जिससे कार को पहले से ही पता लग जाता है यह सब कृत्रिम बुद्विमता के कारण ही हो सकता है।

1. **जलवायु परिर्वतन**– बाढ़, सूखा, भूकम्प और जलवायु से सम्बन्धित सभी क्रियाओं का कृत्रिम बुद्विमता से पूर्वानुमान लगा कर इन सभी से मानव जाति को होने वाला नुकसान से बचाया जा सकता है।
2. **स्वास्थय सेवाएं**– कृत्रिम बुद्विमता से डॉक्टर को ईलाज करने में सहायता मिलती है। कृत्रिम रोबोट से सर्जरी करने मे सक्षम होगा। कृत्रिम बुद्विमता से चिकित्सा के क्षेत्र में एक नई क्रांति का उदय होगा जिससे चिकित्सा में हर बीमारी का ईलाज बेहतर और समय पर पूरा किया जा सकता है। जैसे दवाईयां के साइड इफेक्ट, ऐक्स रे, ओपरेशन में, बीमारी को जांचने में और रेडियोसर्जरी आादि कामों में किया जाता है।
3. **शिक्षा के क्षेत्र में**– कृत्रिम बुद्विमता से शिक्षा जगत में नई तकनीकी विधियों से सीखनें में सहायता होगी। रोबोट शिक्षक में विद्यार्थियों के लिए लेक्चर देने में निपुण होगा। शिक्षक अपनी कृत्रिम बुद्विमता से पढ़ाई को रूचिकर बना सकता है।
4. **कृषि के क्षेत्र–** कृत्रिम बुद्विमता की सहायता से भूमि के विशाल आकार को ड्रोन के माध्यम से फसलों की निगरानी आसानी से की जा सकती है और जिससे फसलों को होने वाले बीमारियों से बचाया जा सकता है। कृत्रिम बुद्विमता रोबोट की मदद से समुद्र की गहराई में जाकर खुदाई, खनिज, पेट्रोल आदि काम को बड़ी ही आसानी से किया जा सकता है।
5. **साइबर सुरक्षा**– आज हर इंसान के पास मोबाईल फोन है जिससे किसी को कभी भी एक बटन से हम हम कोई डाटा भेज सकते है लेकिन दूसरी तरफ साइबर ठग हमारी गतिविधियों पर नजर रखता है जिससे हमारी सारी जानकारी उन को मिल जाती है इसलिए कृत्रिम बुद्विमता के सारबर सुरक्षा कवच से हमसब का बचाव करता है।
6. **स्मार्ट साम्रगी**–कृत्रिम बुद्विमता से स्मार्ट साम्रगी एकदम से हमारे सामने आता है जिससे उसकी उपयोगिता अधिक बढ़ जाती है शिक्षा के जितने भी कार्य होते है वो सब पेपरवर्क होता है लेकिन कृत्रिम बुद्विमता से सारे काम स्वचालित टेक्नोलॉजी के माध्यम से होगे। जिससे सारे काम सुगम और बेहतर ढंग से होगे। मानव जो दिनभर काम करके थक जाता है लेकिन कृत्रिम बुद्विमता दिन–रात, बिना रूके और बिना थके सारे काम करता रहेगा जिससे हर किसी को कुछ सीखने मिलता रहेगा।

कृत्रिम बुद्विमता के आने से विश्व में एक नये की शुरूआत हो चुकी है, जोकि एक तकनीकी के क्षेत्र में अद्भूत क्रांति उभर कर सामने आएगी। इससे युवा शक्ति को रोजगार के नए–नए अवसर प्राप्त होगें, रोजगार के अवसर शिक्षा के क्षेत्र में, स्वास्थ्य में, कम्पयूटर में और कृषि आदि अनेक अवसर देखने को मिलेगे।

निष्कर्ष– आज सम्पूर्ण संसार में कृत्रिम बुद्विमता का प्रचार व प्रसार इतना अधिक बढ़ गया है कि मानव का जीवन इसके बिना अधूरा सा लगता है क्योंकि इसका हर क्षेत्र इसका प्रयोग व उपयोग बढ़ता ही जा रहा है। चाहे वो मोबाईल, कम्पयूटर, शिक्षा और स्वाथ्स्य जैसे अनेक ऐसे विषय जिन कृत्रिम बुद्विमता का चलन बढ़ रहा है। वह दिन दूर नही है जब मानव के सारे काम कृत्रिम बुद्विमता से किए जा सकेगे, लेकिन दूसरी तरफ जिस तरीके से मशीनी पूरी तरीके से मानव सभ्यता पर हावि ना हो जाए, इस पर भी थोड़ा सा मंथन करने की आवश्यकता है क्योंकि इससे मानव सभ्यता को सबसे ज्यादा नुकसानदायिक साबित सिद्व हो सकता है क्योंकि संसार में तकनीकी तेजी से बदल रही है ।

संदर्भ सूची

1. आर ए शर्मा, शिक्षा तकनीकी, लायल बुक डिपों, मेरठ।
2. शंकर शरण श्रीवास्तव एवं कमला राय, शैक्षिक तकनीकी एवं नवाचार, श्रीराम प्रकाशन, वाराणसी।
3. डा. एल बी बाजपेई एवं एस एल श्रीमाली, शिक्षा में नवाचार एवं नवीन प्रवृत्तियों, आलोक प्रकाशन, लखनऊ।
4. https://www.drishtiias.com/hindi/to-the-points/printpdf/artificial-intelligence
5. https://www.drishtiias.com/hindi/to-the-points/paper3/artificial-intelligence-23